आगे आ रहे हैं। जबकि मान्यता देने के ... की हिस्सेदारी केवल 80,000 टन है।

रबर की घरेलू आपूर्ति ज्यादा लेकिन मांग कम

रॉयटर्स • मुंबई

भारतीय रबर वायदा में इस हफ्ते नरमी दर्ज आने के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि एनएमसीई में बुधवार को सर्वाधिक सक्रिय रबर दिसंबर की डिलीवरी 11.49 बजे सुबह 0.5 फीसदी बढ़कर 20,550 रुपये प्रति क्विंटल पर कारोबार हुआ। विश्लेषकों का कहना है कि इस समय रबर उत्पादन का पीक सीजन चल रहा है जिससे घरेलू स्तर पर आपूर्ति बढ़ गई है लेकिन दूसरी ओर घरेलू उद्योगों से नई मांग बहुत कम निकल रही है।

यह भी उम्मीद की जा रही है कि दिसंबर और जनवरी में विदेशी रबर की भी आपूर्ति शुरू हो जाएगी जिससे नरमी के इस रुख को बल मिलेगा। रबर्स डीलर्स फेडरेशन के एक अधिकारी ने बताया कि दिसंबर में विदेशों से बड़ी मात्रा में रबर के आयात होने की उम्मीद है। भारतीय उद्योगों द्वारा रबर आयात करने के पीछे साफ सी वजह अंतरराष्ट्रीय बाजारों में घरेलू बाजार की तुलना में रबर का काफी सस्ता होना है।अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में भारतीय बाजार में रबर की कीमत प्रति क्विंटल 2,400 रुपये महंगी है। घरेलू बाजार में सप्लाई अच्छी चल रही है। भारत में रबर का पीक उत्पादन सीजन अक्टूबर से लेकर जनवरी तक का होता है। केरल के कोच्चि बाजार में मंगलवार को सबसे ज्यादा कारोबार आरएसएस -4 रबर में किया गया।